आपके पत्र

प्रेरणादायक पत्रिका

'विज्ञान प्रगति' के नवम्बर 2018 अंक में सम्पादकीय 'स्वच्छ एवं स्वस्थ बाल मन' एवं 'शशांकजी की आमुख कथा 'इंटरनेट की गिरफ्त में युवा' विचारणीय, चिन्तनीय एवं प्रेरणादायक लगे। बच्चे वो कभी नहीं करते, जो हम कहते हैं, पर बच्चे वो अवश्य करते हैं, जो हम करते हैं। परिपक्व मम्मी पापा ही तकनीकी का दुरूपयोग कर रहे हैं, तो युवा-बाल-किशोर बेटे-बेटी क्या हमारी सुनेंगे? हम बड़े शिक्षित व जागरूक हैं, ऊंचे पदों पर हैं, पर सेल्फी के नशे एवं वाट्सएप के फारवर्ड उपदेशों में उलझे हुए हैं, हम स्वयं शीशे के घरों में हैं, युवा एवं बच्चों पर पत्थर क्यों फेंक रहे हैं? शिक्षण संस्थानों में बाल दिवस पर मैंने बच्चों को पत्रिकाओं यथा नन्दन, बालहंस, चम्पक, बाल भारती, बालभास्कर, बच्चों का देश, नन्हें सम्राट, अपना बचपन, सुमन सौरभ, विज्ञान प्रगति, साइंस रिपोर्टर, अक्कड़ बक्कड़ से जुड़ने व पढ़ने के लिए संदेश दिया ताकि उनका इंटरनेट का वर्तमान दुरूपयोग 50 प्रतिशत कम से कम अवश्य ही कम होकर उन्हें कुछ स्वस्थ रख सकें।

श्री दिलीप भाटिया
रावतभाटा 323 307 (राजस्थान)
[मो. : 09461591498;
ई-मेल : deleepkalash@gmail.com]

लाभदायक पत्रिका

विज्ञान प्रगति का नवम्बर 2018 का बाल विशेषांक पढ़ने को मिला। हर माता-पिता को बच्चों को इंटरनेट की गिरफ्त से बचाने के लिये स्मार्टफोन, टीवी और वीडियो गेम से दूर रखना चाहिए। युवा वैज्ञानिक में हमारे देश की छात्राओं द्वारा पीड़ारहित मधुमेह की जांच के लिये उपकरण का निर्माण एक अच्छी खबर है। विज्ञान कविता ड्रोन से आई नई तस्वीर और विज्ञान गल्प अच्छी लगी। खेल-खेल में गणित, विज्ञान क्विज़ और सीएसआईआर बुलेटिन बेहद ज्ञानवर्धक लगे। देवकी नंदन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले लोगों के लिये 'ढूढो भैया तीन में एक' बहुत रोचक प्रयास है। हमारे भविष्य के कर्णधारों के लिये रास्ता दिखाने वाली सामग्री का सम्पादन कर आप सराहणीय कार्य कर रहे हैं। श्रेष्ठ सम्पादन के लिये सम्पादक जी और उनके सहयोगियों को हार्दिक साधुवाद।

श्री कुलदीप मोहन त्रिवेदी
प्रवक्ता, सरजूदेवी माताप्रसाद इंटर कालेज, बैंगाव
पोस्ट-बैंगाव, जिला-उन्नाव 209 925 (उ.प्र.)

उपयोगी पत्रिका

विज्ञान प्रगति के नवम्बर अंक में शशांक द्विवेदी के आलेख 'इंटरनेट की गिरफ्त में युवा' आज के डिजिटल यथार्थ का सही मूल्यांकन है। इंटरनेट और सोशल मीडिया की डिजिटल लत से लोग अपनी वास्तविक समस्याओं से कटकर एक आभासी दुनिया में पहुंच रहे हैं, जहां कल्पनाओं के पेचोखम के सिवाय कुछ भी नहीं, और मौलिक चिन्तन कम होने से उनके सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकर भी कम हो रहे हैं। पृष्ठ 18 पर 'इनोवेशन' पर बहुत अच्छा लिखा है। वह खासकर बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा के लिए बहुत उपयोगी है। कुल मिलाकर विज्ञान प्रगति बहुत ही उपयोगी पत्रिका है।

श्री गुलाबचन्द्र वात्सल्य
(वरिष्ठ साहित्यकार कवि, लेखक, पत्रकार एवं स्क्रिप्ट-रायटर)
विकास प्रिन्टर्स, बुधवारी छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
[मो. 07162247734 एवं 09424886400]

रोचक पत्रिका

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रकाशित, विज्ञान प्रगति का ताजा अंक, नवम्बर 2018 मिला। इस अंक में युवाओं में बढ़ते इंटरनेट के शौक पर बहुत अच्छे ढंग से गुण दोषों पर प्रकाश डाला गया है। सम्पादकीय में स्पष्ट संदेश दिया गया है कि इंटरनेट इस वैज्ञानिक युग के लिए कितना जरूरी है। पूरे संसार में घट रही सूचनाओं की सटीक जानकारी के लिए इंटरनेट का प्रयोग कितना जरूरी है, पर इसके बेजा इस्तेमाल से खतरे भी बढ़ गए हैं। इससे बच्चे, आत्मकेन्द्रित हो रहे हैं। बच्चों में बढ़ते अपराध पर एक वैज्ञानिक अध्ययन विज्ञान प्रगति का अधतन सर्वेक्षण सिद्ध करता है कि बाल मनोविज्ञान को प्रभावित करने वाले वर्तमान घटकों में कई कारक जिम्मेदार हैं। डा. मनीष मोहन गोरे ने वर्तमान काल की सबसे गम्भीर समस्या पर प्रकाश डाला है, वे इसके लिए बधाई के पात्र हैं। प्रियंका द्विवेदी ने विज्ञान से संबंधित विविध पक्षों पर वैज्ञानिक जानकारी दी है। आज नदियां इतनी प्रदूषित हो गई हैं कि उनका जल खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हवाओं में टॉक्सिन पदार्थ इतने विषाक्त हो गए हैं कि जिससे खुले में सांस लेना भी कठिन हो गया है, इसी तरह महानगरों में बढ़ते हवा-प्रदूषण से लोग बहरे हो रहे हैं। इसी अंक में दुर्लभ औषधीय पौधों की बहूमूल्य जानकारी दी गई है (डॉ. चित्रांगंद सिंह)। आशा है, भारत का दुनिया के लिए बहुमूल्य उपहार हर्बल पौधे, व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए वरदान सिद्ध होगा। अंत में विज्ञान प्रगति आम जन की भाषा में वैज्ञानिक जानकारी देने वाली एक बहुमूल्य व रोचक पत्रिका है। मैं इसे 20 वर्षों से पढ़ रहा हूँ, और मुझे नए अंक की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है। सम्पादक, सम्पादकीय विभाग एवं विज्ञान लेखकों को बहुत बहुत धन्यवाद!

श्री शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय
ग्राम + पोस्ट सुहिया, जिला-भोजपुर (बिहार)
[मो. 08544336389]

ज्ञानवर्धक पत्रिका

मैं मीरा मॉडल स्कूल नवी कक्षा का छात्र हूं। स्कूल के पुस्तकालय में प्राप्त हुई नवंबर माह की विज्ञान प्रगति बहुत ही अच्छी लगी। 'इंटरनेट की गिरफ्त में युवा' लेख मुझे बहुत ही अच्छा लगा और साथ ही साथ और 'इनसे भी कुछ सीखें' तथा 'कार जो उड़ी, 'ख्वाबों की पूरी' बहुत ही रोचक लगे। इस पत्रिका को मैं अति उत्तम इसलिए मानता हूँ क्योंकि इसमें ज्ञानवर्धक बातें तो रहती ही हैं, साथ ही साथ यह पढ़ने में बहुत रोचक भी लगती है। विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसे पढ़ने में अधिकांश बच्चों को मजा आता है, और रुचि भी होती है। 'बाल मन को भाता विज्ञान' में यही बात कही गई है। ब्लू व्हेल जैसे खतरनाक एवं भयंकर खेलों से दूरी बढ़ाने के लिए विज्ञान प्रगति में बहुत कुछ कहा गया है।

श्री मनस्वी राज
मीरा मॉडल स्कूल, जनकपुरी, नई दिल्ली

सूचना

सभी सुधी लेखकों को अवगत कराना है कि अपने लेख के साथ अपना बैंक ब्यौरा, (बैंक का पता आई एफ एस सी कोड) तथा एकाउन्ट नम्बर अवश्य भेजें।